सोलर मैक्सिमिम स्पर्स सोलर मिशन

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

[NASA] का [PUNCH मिशन], जिसका उद्देश्य सूर्य के कोरोना का अध्ययन करना है, **वर्ष 2023 के बाद से तीसरा प्रमुख सौर मिशन** है, जो [सौर चक्र] से जुड़े सौर मिशनों में वृद्धि को दर्शाता है, जो अपने **सोलर मैक्सिमिम** के करीब पहुँच रहा है।

सौर चक्र:

- **सौर चक्र 11 वर्ष की अवधि** है जिसके दौरान **सूर्य का चुंबकीय क्षेत्र परिवर्तित** होता है, जिसके कारण **उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव अपने स्थान परिवर्तित** करते हैं।
- **सोलर मैक्सिमिम** (जब सूर्य सर्वाधिक सक्रिय होता है) के दौरान , **सौर गतिविधियाँ** - जैसे कि **सनस्पॉट, सौर ज्वालाएँ और कोरोनाल मास इजेक्शन** - बढ़ जाते हैं, जिससे **उपग्रह संचार** और **विद्युत् ग्रिड** प्रभावित होते हैं।
  - **सनस्पॉट छोटे, काले और शीतल क्षेत्र** होते हैं जहाँ चुंबकीय क्षेत्र विशेष रूप से मज़बूत होता है।
- यह चक्र **सोलर मिनिमिम** (जब सनस्पॉट की सक्रियता सबसे कम होती है) के साथ समाप्त होता है, जिससे **अगले चक्र के शुरू होने तक सौर सक्रियता में गिरावट** आती है।
  - **सौर चक्र का पता सनस्पॉट** की गणना करके लगाया जाता है।

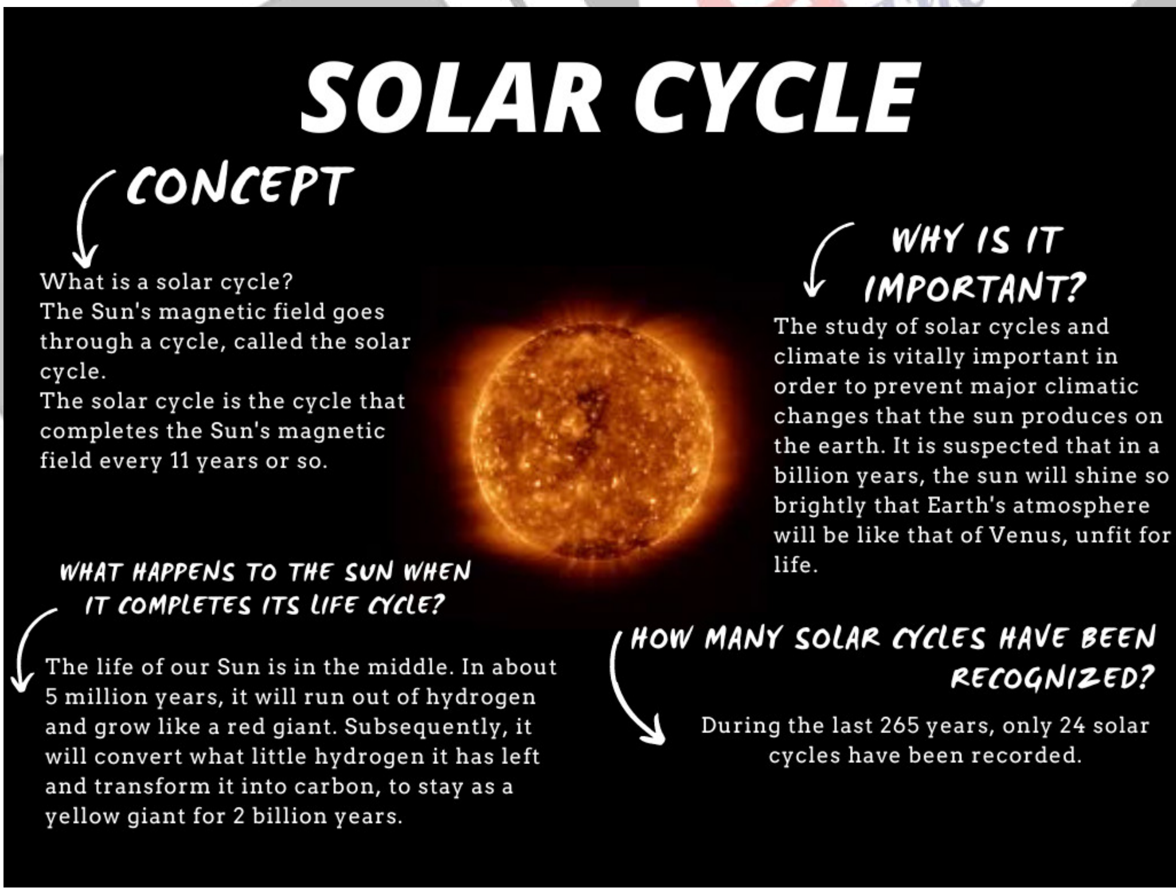

सौर मिशनों में वृद्धि:

- **सौर मिशनों** की संख्या में वृद्धि **सूर्य के अपने सोलर मैक्सिमम (वर्ष 2022-2024) के निकट पहुँचने** के कारण हुई है, जो इसके व्यवहार का अध्ययन करने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान करता है।
    - **सौर गतिविधि** का अगला चक्र **वर्ष 2035-2036** के बाद होने की उम्मीद है।

प्रारंभिक सौर मिशन: आदित्य L1 (भारत) , प्रोबा-3 (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी)

और पढ़ें: नासा का PUNCH मिशन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/solar-maximum-spurs-solar-missions